नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ..... दिनांक : 19.10.2019

प्रकाशनार्थ

(राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला)

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज जंगल धूसड गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में '**सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पर्यावरणीय संकट**' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए हुए महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि मानव और प्रकृति का घनिष्ठ सम्बन्ध प्राचीन काल से ही रहा है। मानव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पर्यावरण से क्रिया करता रहा है। प्रकृति उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति करती रहती है। ज्ञान एवं समय के साथ मनुष्य का प्रकृति के साथ सम्बन्ध बढ़ता गया अत्यधिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रकृति से ज्यादा घनिष्ठ होता गया प्रकृति सच्चे मित्र की तरह उसकी आवश्यकमाओं की पूर्ति करती रही। लेकिन मनुष्य अपने अत्यधिक लालच स्वार्थ एवं विलासिता की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रकृति का दोहन करने लगा जिसके परिणाम स्वरुप प्रकृति का सन्तुलन खराब हो गया। परिणामतः भूमण्डलीय ताप वृद्धि, धरातल पर तापमान का सन्तुलन बिगड़ा, ग्लेशियर का पिघलना शुरु हुआ, सागर तल में परिवर्तन हुआ, जैव समुद्री संसाधनो का ह्रास होना आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न होने लगे हैं। आज मनुष्य को प्रकृति को शत्रु नही बल्कि मित्र बनाने की आवश्यकता है। हमें उन सभी वस्तुओं का उपयोग बन्द करना चाहिए जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं। आज भारत सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग प्रतिबन्धित कर बहुत सराहनीय कार्य किया है।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए भूगोल विभाग के प्रवक्ता **डॉ. अजय प्रताप निषाद** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमारे दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले प्लास्टिक की वस्तुएं जो पर्यावरण को अत्यधिक क्षति पहुँचा रही है। आधुनिक विज्ञान के एक वरदान के रुप में हमारे जीवन का एक हिस्सा बनने वाला यह प्लास्टिक सम्पूर्ण पर्यावरण के लिए एक अभिशाप बन गया। यह प्लास्टिक आधे घण्टे इस्तेमाल के लिए आते है ओर उसे नष्ट होने में हजारो साल लग जाते हैं। कार्यशाला में स्वयं सेवको एवं सेविकाओं ने सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पर्यावरण विषय पर अपने–अपने विचार रखे।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार सिंह एवं श्रीमती किरन सिंह ने भी सम्बोधित किया।

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

डॉ. राजेश शुक्ल